शक्ल पकड़ना	रूप,आकार ग्रहण करना।
शक्ल पहचानना	सूरत से पहचानना।चेहरा या सूरत देखकर शील स्वभाव जान लेना।
शक्ल बनाना	शक्ल बिगाड़ना।असुन्दर बन जाना।
शक्ल बिगाड़ना	चेहरे को असुन्दर कर लेना या कर देना।बहुत मारना,
1693 · शग़ल करना	किसी,विशेषकर खाने-पीने,हुक्का पीने आदि कें, काम में लाना।
शनाख़्त करना	पहचानना।
शगूफा खिलना	कोई नई और विलक्षण घटना होना।
शगूफा खिलाना	कोई ऐसी नई और विलक्षण बात कर बैठना जिससे सब लोग चकित हो जाय।
शगूफा छोड़ना	नयी विलक्षण बात कहना।
शपथ खाना	कसम खाना।उ०- शपथ खाय बोले सदा। वृ० ।
शफ़क फूलना	प्रातःकाल या सन्ध्या के समय आकाश में लालिमा फैलना।शफक का प्रकट होना।
शबनम का रोना	ओस का गिरना।
शबाब फट पड़ना	जवानी का जोर पर होना।पूरी तरह खिल उठना।
श शरबत पिलाना	विवाह के पूर्व या पश्चात् बरातियों को शरबत पिलाना (एक रस्म)।
शरबत के प्याले पर निकाह कर (पढ़ा) देना	बिना कुछ खर्च किये विवाह कर देना।
शरम घोकर पी जाना	निर्लज्ज हो जाना।
शरम रखना	इज्जत रखना।आदर रखना।
शरम रहना	प्रतिष्ठा रहना।आबरू रहना।
शरम से गड़ना	~~मारे लज्जा के दबे या झुके जाना।~~बहुत लज्जित होना।

शर्त बद (बांध)कर (के) सोना	बहुत देर तक सोना। बहुत लम्बी नींद लेना।
शर्त बदना	बाजी लगाना।
शर्त बांधना	बाजी लगाना।
(किसी बात की)शर्त होना	किसी बात के लिए अनिवार्य,अत्यावश्यक होना।
शर्त यह है	इस शर्त पर।
शर्म आना	लाज लगना।
शर्म करना	लज्जित होना। लिहाज करना।
शर्म की बात	लज्जाजनक कार्य।
शर्म खाना	लज्जा अनुभव होना।
शर्म से गठरी हो जाना	(दुलहिन का)लाज के मारे सिकुड़कर गठरी सा बन जाना,जमीन मे गड़ जाना।
शर्मिंदगी उठाना	लज्जित होना।
शराब ढलना	मद्य पीया जाना।
शरीर छूटना	मृत्यु होना। मर जाना।
शरीर बरतना	शरीर छूटना।
शल हो जाना	थककर चूर हो जाना। (हाथ पांव का)हिलाने लायक न रहना।
शस्त बांधना	निशाना बेधने के लिए सीध या ताक लगाना।
शस्त लगाना	निशाना बेधने के लिए सीध या ताक लगाना।
शह करना	निरुत्तर कर देना। चुप कर देना।
शह झाड़ना	पक्षी का डैनों को फैलाकर जोर से हिलाना कि खराब और कमजोर पंख झड़ जाये।
(जबान मे)शहद घुलना	मिठास से भर जाना।
(कानों मे)शहद घोलना	अति मधुर,सुखद वचन बोलना।

शहद लगाकर अलग होना	उपद्रव का शुभारम्भ करके अलग हो जाना, दूर से तमाशा देखना, आग लगाकर दूर हो जाना, दूर से तमाशा देखना।
शहद लगाकर चाटना	निरर्थक चीज को यत्न से रखे रहना।
शहर की दाई	घर घर की खबर रखनेवाली स्त्री।
शाख़ निकलना	ऐब निकलना। झगड़ा निकलना। बखेड़ा निकलना।
शाख़ निकालना	दोष देना। कलंक लगाना। नुक्ता चीनी करना। झगड़ा खड़ा करना। टहनी निकालना। नयी बात पैदा करना।
शाख़ लगना	घमंड होना। इतराना।
शाख़ लगाना	कलम लगाना। टहनी लगाना। सिंगी लगाना। पद बढ़ाना। सम्मान करना।
शान घटना	इज्जत में कमी होना। बड़प्पन में कमी होना।
शान जाना	अप्रतिष्ठा होना। मान भंग होना।
शान मारी जाना	अप्रतिष्ठा होना। मान भंग होना।
शान में बट्टा लगना	इज्जत में कमी होना। बड़प्पन में कमी होना।
शाम का फूलना	सन्ध्या समय पश्चिमी क्षितिज पर ललाई प्रकट होना
शाम को सुबह करना	सारी रात जागकर बीताना, सबेरा कर देना।
शाम सुबह करना	टाल-मटोल करना।
शाम सुबह लगाना	टाल-मटोल करना।
शामत आना	बुरे दिन आना। दुर्दैव की प्रेरणा होना।
शामत का मारा	अभागा। दुर्दशाग्रस्त।
शामत की मार	दुर्भाग्य।
(किसी पर) शामत सवार होना	शामत आना। दुर्दशा का समय निकट आना। बुरे दिन आना।
शाया करना	प्रकाशित करना।

शिकंजे में आना = पकड़ में आना। फंदे में फंसना।

शिकंजे मै कसना	अत्यधिक शारीरिक कष्ट देना। घोर यंत्रणा पहुंचाना
शिकंजे मै खिंचवाना	घोर यंत्रणा दिलवाना। सांसत कराना।
शिकमी देना	जमींदार या मालिक से किराये, लगान आदि से पर ली हुई चीज अपनी ओर से किसी दूसरे को किराये, लगान आदि पर देना।
शिकम होकर खाना	पेट भरकर खाना।
शिकरा पालना	बोझ अपने सिर लेना।
शिकस्त खाना	पराजित होना। हारना।
शिकस्त देना	पराजित करना। हराना।
शिकायत करना	दुखड़ा रोना। बुराई करना। उलाहना देना। पीड़ा बताना।
शिकायत रफा करना	रोग दूर करना। मांदगी हटाना।
शिकार खाना	मारने के लिए कोई जानवर मिलना। किसी ऐसे आदमी का मिलना जिससे कुछ लाभ हो।
शिकार करना	आखेट करना। किसी से खूब लाभ उठाना। लूटना। फंदे मे फंसाना। मुट्ठी मे करना।
शिकार खेलना	आखेट करना।
(किसी का) शिकार होना	फंदे मे फंसना। किसी रोग, दुर्घटना आदि से मरना या पीड़ित होना। किसी के रोषादि की बलि होना।
शिकारी ब्याह	गांधर्व विवाह जो पात्रियों मे अब तक कहीं कहीं होता है।
शिगाफ़ देना	कलम को चीरना। चीरा लगाना। नश्तर लगाना।
शिगाफ़ लगाना	कलम को चीरना। चीरा लगाना। नश्तर लगाना।
शिगूफ़ा खिलाना	कोई अनहोनी बात करना। झगड़ा उठाना।
शिगूफ़ा छोड़ना	झगड़ा-फसाद करानेवाली बात कहना, करना।

शिरोधार्य करना	सिर पर धारण करना। सिर माथे चढ़ाना। आदर-पूर्वक स्वीकार करना। आदर के साथ मानना।
शीन काफ़ दुरुस्त न होना	उच्चारण शुद्ध, अस्खलित न होना।
शीन के शटक्के	` श ` का शुद्ध उच्चारण न कर सकना।
शीर हो जाना	घुल-मिल जाना। अतिशय स्नेह होना।
शीराज़ा खुलना	टांका टूटना। सिलाई खुल जाना। प्रबन्ध बिगड़ जाना।
शीराज़ा टूटना	टांका टूटना। सिलाई खुल जाना। प्रबन्ध बिगड़ जाना।
शीराज़ा बंधना	किताब के जुजों की सिलाई होना। बिखरी हुई चीजों का इकट्ठा श्रृंखलित किया जाना।
शीराज़ा बिखरना	विश्रृंखलित हो जाना। बिगड़ जाना।
शील तोड़ना	मुरौवत न रखना।
(आंखों में) शील न होना	बेमुरौवत होना। क्रूरता का व्यवहार करना।
शील निभाना	सत्स्वभाव को न छोड़ना।
शील मर जाना	संकोच, सद्भाव, सद्वृत्ति आदि का किसी व्यक्ति से निकल जाना। दुर्वृत्त होना। बेमुरौवत होना।
शील रखना	सद्व्यवहार रखना, करना।
शेखी झड़ना	गर्व चूर्ण होना। मान ध्वस्त होना। ऐसा दण्ड पाना या हानि सहना कि अभिमान दूर हो जाय।
शीश महल का कुत्ता	पागल कुत्तों की तरह बकने या उछलने कूदनेवाला।
शीशा बाशा	बहुत नाज़ुक चीज।
शीशी सुंघाना	= दवा सुंघाकर बेहोश करना।
शीशे में उतारना	भूत छुड़ाना। प्रेत बाधा शान्त करना। वश में करना। मोहित करना।
शुक्र करना	(खुदा का) एहसान मानना। भगवान के किये पर सन्तुष्ट, प्रसन्न रहना।
शुक्र बजा लाना	कृतज्ञता प्रकट करना।

शुक्र है — भगवान का परम अनुग्रह है।

शुमार में न रहना — संख्यातीत होना। बिल्कुल मामुली होना।

शुमार में न लाना — कुछ न समझना। नितान्त उपेक्षणीय मानना।

शुमार में न होना — संख्यातीत होना। बिल्कुल मामुली होना।

शूल उठना — शूल चुभाने की सी पीड़ा का होना।

शूल देना — तीव्र व्यथा उत्पन्न करना।

शेखी किरकिरी होना — घमंड चूर होना। लज्जित होना।

शेखी झड़ना — गर्व चूर्ण होना। मान ध्वस्त होना। ऐसा दण्ड पाना या हानि सहना कि अभिमान दूर हो जाय।

शेखी निकालना — गर्व चूर्ण होना। मान ध्वस्त होना। ऐसा दण्ड पाना या हानि सहना कि अभिमान दूर हो जाय।

शेखी बघारना — बढ़ बढ़कर बातें करना। अभिमान से भरी बातें बोलना। डींग मारना। अपने मुंह अपनी बड़ाई करना।

शेखी हांकना — बढ़ बढ़कर बातें करना। अभिमान से भरी बातें बोलना। डींग मारना। अ

शेर करना — बत्ती बढ़ाकर रोशनी तेज करना। हौसला बढ़ा देना। निडर कर देना।

शेर का मुंह फुलसना — शेर को मारने के बाद उसकी मूंछों को जला देना।

शेर की नज़र घूरना — कोप भरी दृष्टि से देखना।

शेर की बोली बोलना — कै करना।

शेर के मुंह में जाना — जान-जोखिमवाले स्थान में जाना।

शेर के मुंह से शिकार लेना — जबरदस्त से कोई चीज छीन लेना।

शेर बकरी का एक घाट पानी पीना — शुद्ध न्याय का राज्य होना। छोटे-बड़े सबके साथ एक सा व्यवहार होना।

श

शेर होना	हौसला बढ़ना। निर्भय या धृष्ट होना। डर या दबाव मे न रहना। स्वेच्छाचारी और उद्दंड होना। उ०-कसन गुफ़्ता शेर हमचूं सीन ऐनो,दाल,ये। ब सादी ।
शैतान उठाना	झगड़ा खड़ा करना। उपद्रव मचाना।
शैतान उतरना	क्रोध शांत होना। बुराई या उपद्रव की प्रवृत्ति या हठ का दूर होना।
शैतान की आंत	बहुत लम्बी वस्तु।
शैतान के कान काटना	शैतानी मे शैतान से बढ़ जाना।
शैतान (सिर पर)चढ़ना	गुस्सा चढ़ना। शरारत,बुराई पर आमादा होना।
शैतान सवार होना	गुस्सा चढ़ना। शरारत,बुराई पर आमादा होना।
शोरे मे झलना	पानी की सुराही को नमक और शोरा मिले हुए पानी मे रखकर ठंडा करना।
शोशा छोड़ना	अनोखी या झगड़ा खड़ा करनेवाली बात कहना।
शौक़ करना	भोग करना।
शौक़ चर्राना	मन मे प्रबल कामना होना। इच्छा का तीव्र होना।
शौक़ पूरा करना	किसी बात की प्रबल इच्छा की पूर्ति करना।
शौक़ फरमाना	किसी वस्तु या पदार्थ का भोग करना।
शौक़ से	प्रसन्नतापूर्वक। आनन्द से। रुचिपूर्वक। नि:संकोच।
श्रम पाना	परिश्रम करना। मेहनत करके थकना। उ०- आजु कहा उद्यम करि आए। कहै वृथा भ्रमि भ्रमि श्रम पाए। सूर।
श्रम साधना	कठिन परिश्रम करना। अभ्यास करना। उ०- मुक्त हेत जोगी श्रम साधै असुर विरोधै पावैं। सूर ।
श्वास खींचना	सांस रोके रहना।
श्वास चढ़ाना	सांस रोके रहना।
श्वास छूटना	मृत्यु होना।
श्वास रहते	प्राण रहते। जीते जी।